BK BIRLA CENTRE FOR EDUCATION

SARALA BIRLA GROUP OF SCHOOLS
SENIOR SECONDARY CO-ED DAY CUM BOYS' RESIDENTIAL SCHOOL
PRE MID TERM- 2024-25
HINDI

Class : IX
Date : 02-08-2024
Admission No.:

Duration : **1.00 Hrs**
Max. Marks : **25**
Roll No.:

General Instructions:-

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |

प्रश्न संख्या लिखकर उत्तर दीजिए |

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए 5

यह एक सर्वाधिक तथ्य है कि मानवीय गुणों का अधिकाधिक विकास विपरीत परिस्थितियों में ही होता है ।जीवन में सर्वत्र इस सत्य के उदाहरण भरे हुए हैं। कष्ट और पीड़ा आंतरिक वृत्तियों के परिशोधन के साथ ही एक ऐसी आंतरिक दृढ़ता को जन्म देते हैं जो मनुष्य को तप्त स्वर्ण की भांति खरा बनाता है ।विपत्तियों के पहाड़ से टकराकर उसका बल बढ़ता है ।हृदय में ऐसी अद्भुत वृत्ति का जन्म होता है कि एक बार कष्टों से जूझकर फिर वह उनको खेल समझने लगता है। उसके हृदय में विपत्तियों को ठोकर मारकर अपना मार्ग बना लेने की वीरता उत्पन्न हो जाती है ।मन की भांति ही शरीर की दृढ़ता शारीरिक श्रम के द्वारा आती है ।शारीरिक परिश्रम उसके शरीर को बलिष्ठ बनाता है ।विपत्तियों में तप कर दृढ़ हुए शरीर की भांति परिश्रम की अग्नि में तप कर शरीर का लौह इस्पात बन जाता है । जब एक शायर ने कहा कि 'मुश्किलें इतनी पड़ी मुझ पर कि आसान हो गई 'तो वह इस सत्य से परिचित था । चारित्रिक दृढ़ता के लिए जो कार्य कष्टों का आधिक्य करता है ,शारीरिक दृढ़ता के लिए वही कार्य श्रम करता है। दोनों ही ऐसे हथौड़े हैं जो पीट पीट कर शरीर और मन में इस्पाती दृढ़ता को जन्म देते हैं।

1) विपरीत परिस्थितियां कारण है

क) अनुकूल परिस्थितियों को रोकने की
ख) समस्या समाधान की
ग) सामाजिक चुनौतियां स्वीकारने की
घ) मानवीय गुणों के विकास की

2) मनुष्य को सोने जैसा शुद्ध बनाने में सहायक है

क)शरीर की दृढ़ता
ख) मन की दृढ़ता
ग) आंतरिक वृत्ति
घ) विपत्तियों से टकराव

3) विपत्तियों के बीच अपना मार्ग बना लेने की क्षमता कब उत्पन्न होती है?

क) बाधाओं से बचकर
ख) कष्टों से खेलकर
ग) कष्टों से जूझकर
घ) साधन संपन्न बनकर

4) 'लोहा इस्पात बन जाता है'_ कथन का आशय है

क) दुर्बल सबल बन जाता है
ख) बलहीन बलवान बन जाता है
ग) सबल अति सबल बन जाता है
घ) निर्बल प्रबल बन जाता है

5) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है

क) मन और शरीर

ख) मानसिक पीड़ा और शारीरिक कष्ट

ग) मन और शरीर की दृढ़ता

घ) मानव का विकास

प्रश्न 2) निर्देशानुसार बहुविकल्पीय प्रश्नों के उचित उत्तर चयन पर्यायों में से कीजिए। (अंक 6)

1 शब्द कब पद बन जाता है?

क) जब स्वतंत्र होता है

ख) जब वाक्य में प्रयोग होता है

ग) जब संज्ञा से मिलता है

घ) सर्वनाम से जुड़ता है

2 अनुवाद शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है

क) अनु ख) अ ग) अन घ) ऊं

3 गुलाबी में प्रत्यय क्या है ?

क) बी ख) ई ग) इ घ) गुल

4 किस शब्द में 'आल 'प्रत्यय नहीं है?

क) ससुराल ख) ननिहाल ग) तिरपाल घ) ददिहाल

5 सत्याग्रह शब्द का सही संधि विच्छेद है

क) स +आग्रह ख) सती +आग्रह ग) सत्य +आग्रह घ) सत+आग्रह

6 गुण संधि का उदाहरण है

क) महोत्सव ख) महौषधि ग) अन्वेषण घ) गायन

प्रश्न 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 से 60 शब्दों में लिखिए (अंक9)

1 दुख का अधिकार इस पाठ का शीर्षक कहां तक सार्थक है ?स्पष्ट कीजिए

2 रविदास के पदों का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

3 लेखिका ने कैसे जाना की गिल्लू उसकी अनुपस्थिति में दुखी था?

प्रश्न 4 बाढ़ आने से कई गांव जलमग्न हो गए हैं। दो मित्र उनकी सहायता के लिए जाना चाहते हैं ।उनके बीच हुए संवाद का लेखन कीजिए। (अंक 5)

समाप्त